storyweaver Community

अंतरिक्ष यात्रा का रोमांच

Author: Kim Ann Arun
Illustrator: Seat Sopheap
Translator: Arvind Gupta

पठन स्तर ३

नदी के किनारे टीटो थका और परेशान बैठा था.
उसकी चचेरी बहन रिका ने उससे फ़ुटबाल खेलने को कहा.
टीटो चुप रहा और उसने अपनी जेब में से मोबाइल निकाला.
रिका ने उससे पूछा, "तुम अपनी मां का फोन क्यों लाए हो?"
टीटो ने कोई जवाब नहीं दिया और वो मोबाइल का इस्तेमाल करता रहा.

जल्द ही अंधेरा हो गया. बादल गरजने लगे और बिजली कड़कने लगी.
रिका ने टीटो का फ़ोन छीनकर उसे बंद कर दिया.
"टीटो, तूफान में फ़ोन का इस्तेमाल करना, या पेड़ के नीचे पनाह लेना ख़तरनाक होता है."
पर टीटो ने बात नहीं मानी. दोनों फ़ोन के लिए झगड़े, तभी ग़लती से उसका एक एक बटन दब गया.

तूफान तेज़ हुआ. आसमान स्याह हो गया. तभी एक अजीब चीज़ दिखाई दी. अचानक, तेज़ आवाज़ करती कोई चीज़ ज़मीन पर आकर गिरी. टीटो, रिको और शाहर के लोग एकदम आश्चर्य में पड़ गए जब उन्होनें उस जहाज़ में से एक हरे प्राणी को निकलते हुए देखा.
अरे एक - यूएफओ और बाहरी लोक का एक प्राणी!!!
4/31

उस प्राणी ने कहा, "मेरा नाम परलोकवासी है. जब मेरा मस्ती करने का दिल करता है तो मैं उड़ता हूँ.
क्या तुम मेरे साथ आन चाहोगे?"
टीटो ने अपना सिर हिलाया और वो परलोकवासी की ओर बढ़ा. पर रिको ने टीटो को रोका.
टीटो ने रिको की तरफ गुस्से में देखा. "मुझे परेशान मत करो! मैं जाना चाहता हूँ!
तुम्हें पता है कि मेरी मां के पास मेरे साथ घूमने जाने तक का समय नहीं है."

टीटो यूएफओ की ओर दौड़ा.
रिका उसके पीछे गई.
उसके साथ एक कुत्ता और
एक जुगनू भी था.

परलोकवासी ने स्क्रीन पर अपनी उंगली रगडी. उससे दरवाज़ा खुद बंद हो गया और यूएफओ उड़ने लगा. टीटो ने रिका से पूछा. "तुम भी साथ चलो. तुम्हारे मां-बाप तुम्हें ढूंढ़ेंगे पर तुम उसकी फ़िक्र मत करो."
"तुम अपने बारे में क्या सोचते हो?" रिका ने ज़ोर से कहा, "बताओ तुम्हारे मां-बाप को कैसा लगेगा?"

जैसे-जैसे वे उड़े उन्हें नाले, झरने, ताल, नदियाँ और समुद्र दिखाई दिए.
फिर उन्होनें गांव, सड़कें और शहर देखे.
टीटो खुशी से चिल्लाया, "कितना सुंदर!"
रिका ने कुत्ते से पूछा. "तुम्हें क्या हुआ है?
शायद उँचाई से तुम्हारा जी मिचला रहा है!"
8/31

वे बहुत ऊँचे उड़े, और फिर उन्होनें अपने नीचे नीली पृथ्वी को देखा. "अब हमारा जहाज़ बाहरी अंतरिक्ष में पहुँच गया है."रिका ज़ोर से चिल्लाई, "वाह! मैने इतना सुंदर नज़ारा अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा!"
टीटो ने भी जोड़ा, "कितना अदभुत!"

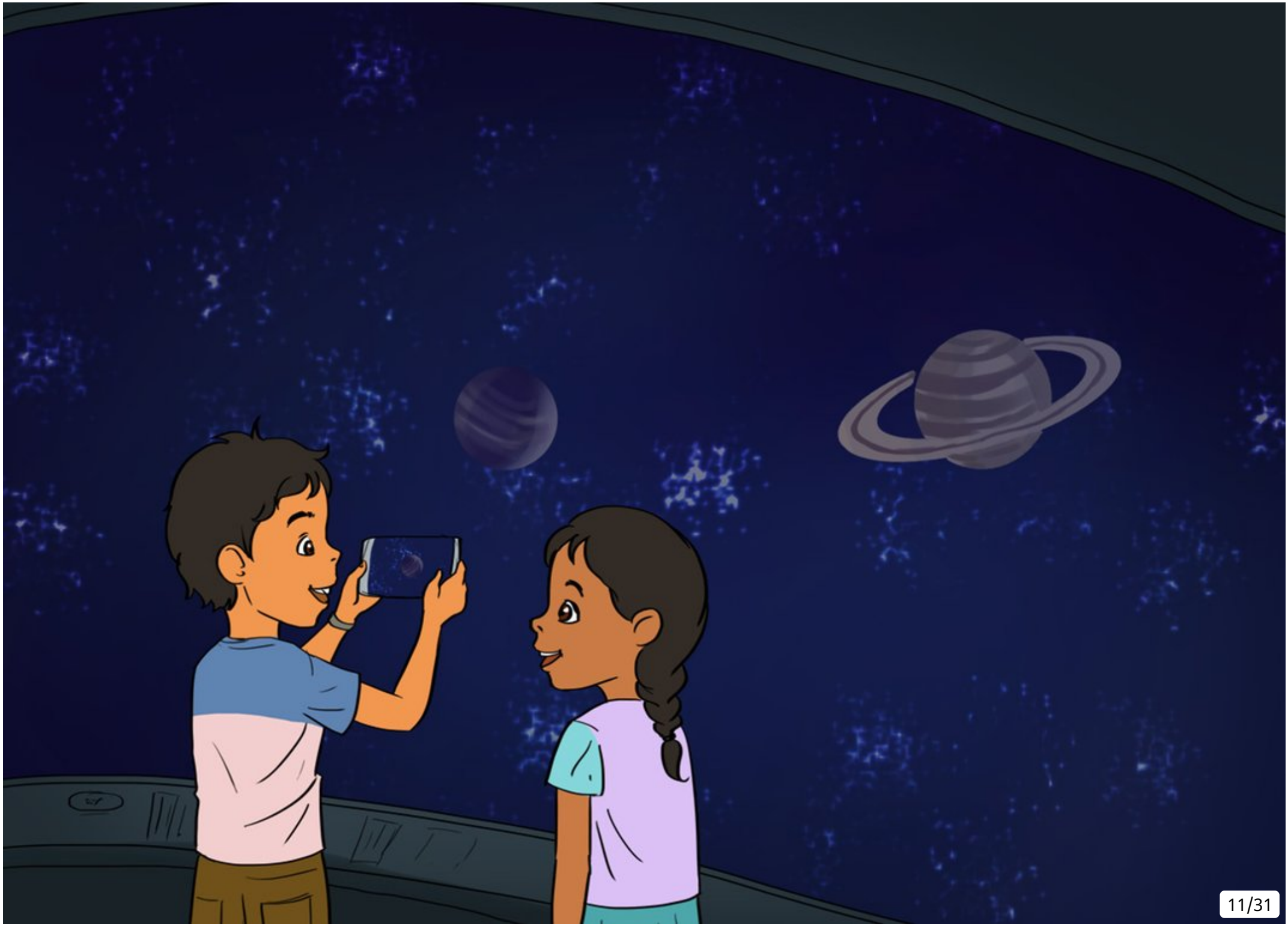

टीटो ने फ़ोटो खींचने के लिए अपना फ़ोन बाहर निकाला.
अन्य ग्रहों को वो अब स्पष्ट देख सकते थे.
उन्हें सूरज की जलती गैस भी साफ दिखाई दे रही थी.

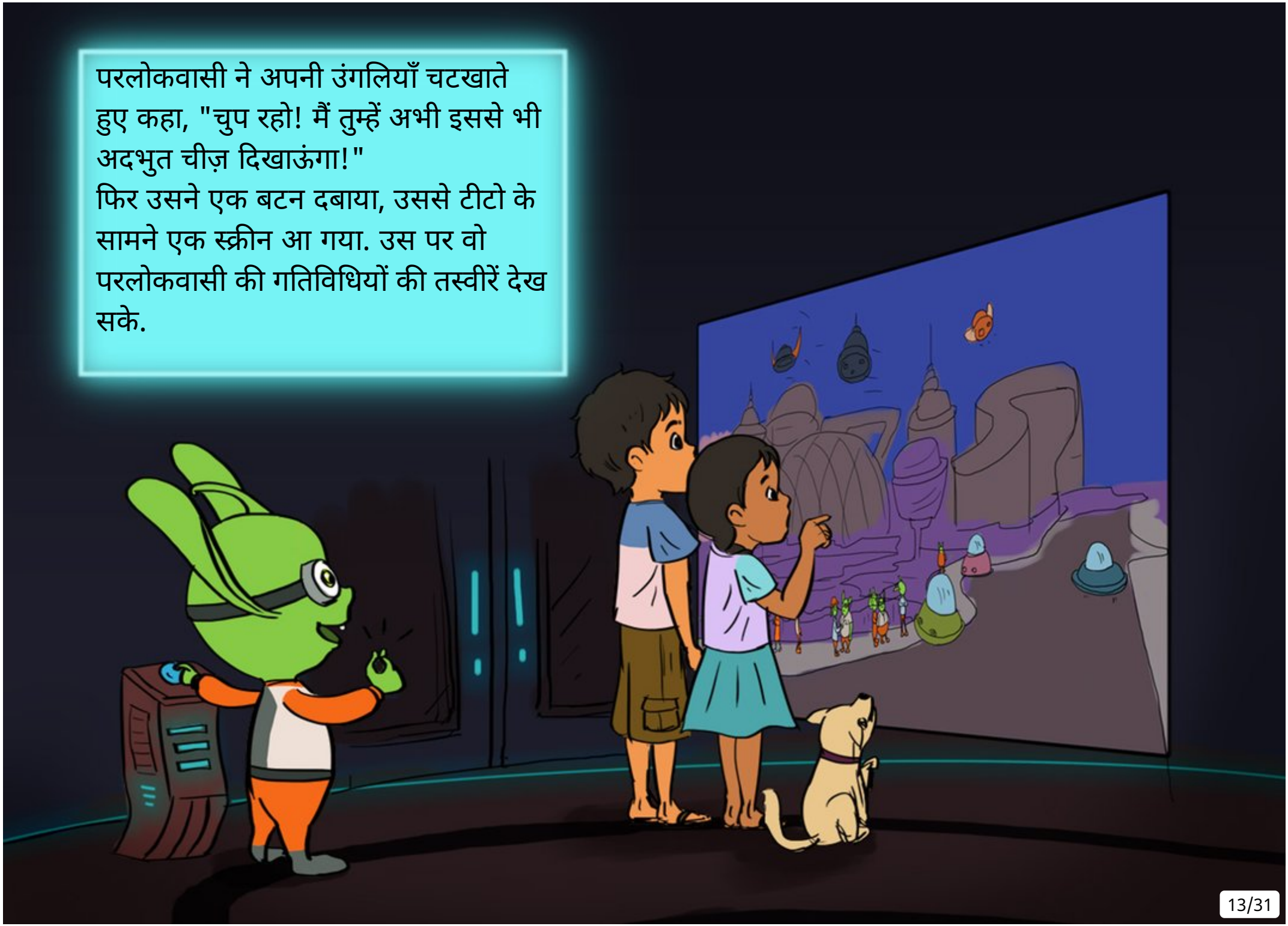
परलोकवासी ने अपनी उंगलियाँ चटखाते हुए कहा, "चुप रहो! मैं तुम्हें अभी इससे भी अदभुत चीज़ दिखाऊंगा!"
फिर उसने एक बटन दबाया, उससे टीटो के सामने एक स्क्रीन आ गया. उस पर वो परलोकवासी की गतिविधियों की तस्वीरें देख सके.

परलोकवासी ने एक बड़े स्क्रीन को अपनी उंगली से रगड़ा. स्क्रीन पर कार्टून दिखने लगे.
"हमारे पास सभी तरह के कार्टून हैं," परलोकवासी ने शेखी मारते हुए कहा.
"तुम जो चाहो वो कार्टून देख सकते हो."
टीटो ने स्क्रीन रगड़कर दूसरा कार्टून शुरू किया.
"पर मुझे वो पहले वाला ही देखना है!" रिका ने शिकायत के लहज़े में कहा.

परलोकवासी ने देखा कि कुत्ते की हालत और
खराब हो रही थी. "तुम आराम करो," उसने कहा, और
फिर उसने एक स्क्रीन को रगड़ा. तुरंत उन दोनों
के सामने एक सोफा और हेडफोन आए.
"यह आराम के लिए अच्छी जगह है," रिका ने कहा.
"उसमें संगीत भी है!" टीटो ने जोड़ा.

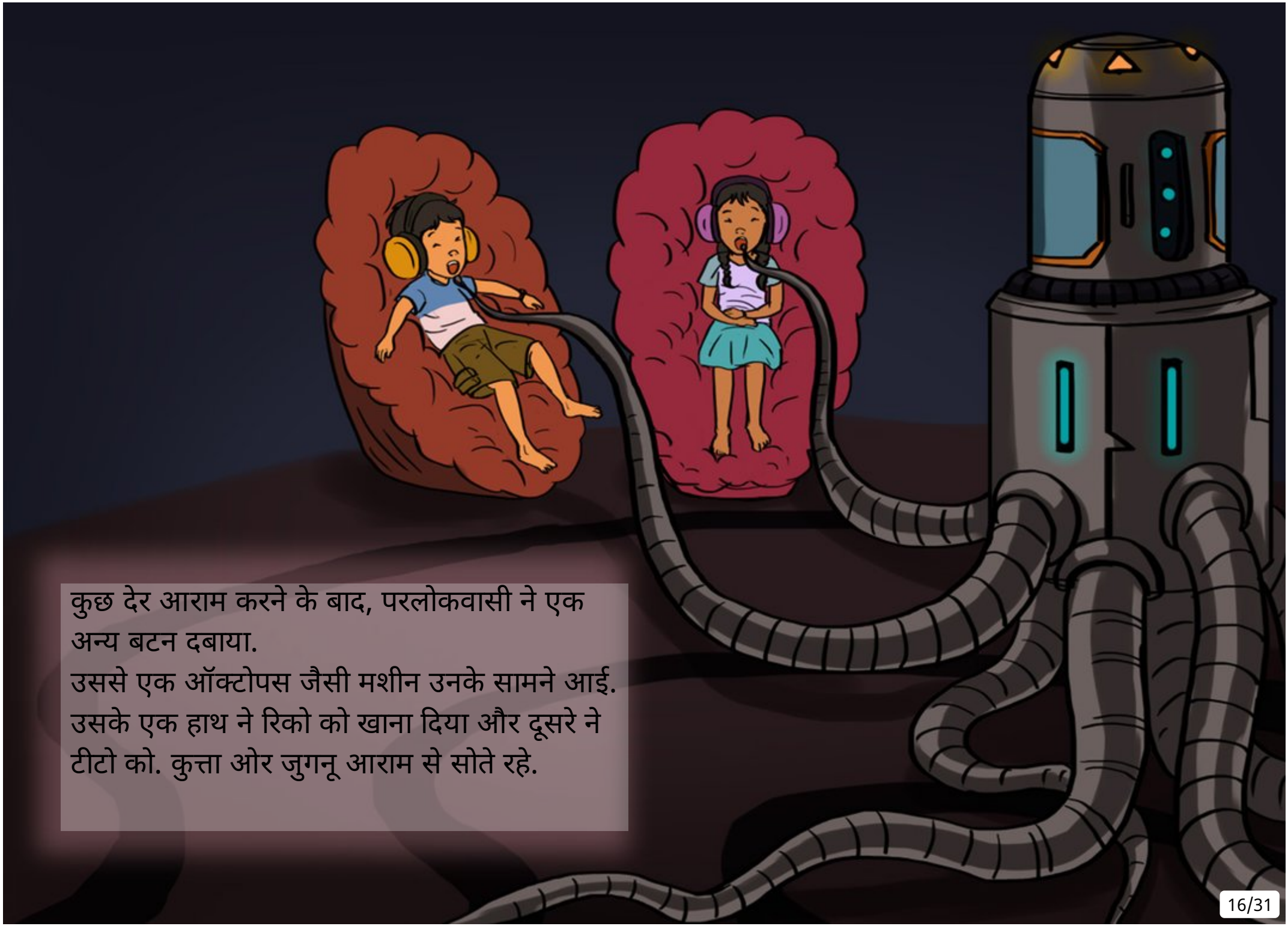
कुछ देर आराम करने के बाद, परलोकवासी ने एक अन्य बटन दबाया.
उससे एक ऑक्टोपस जैसी मशीन उनके सामने आई.
उसके एक हाथ ने रिको को खाना दिया और दूसरे ने टीटो को. कुत्ता ओर जुगनू आराम से सोते रहे.

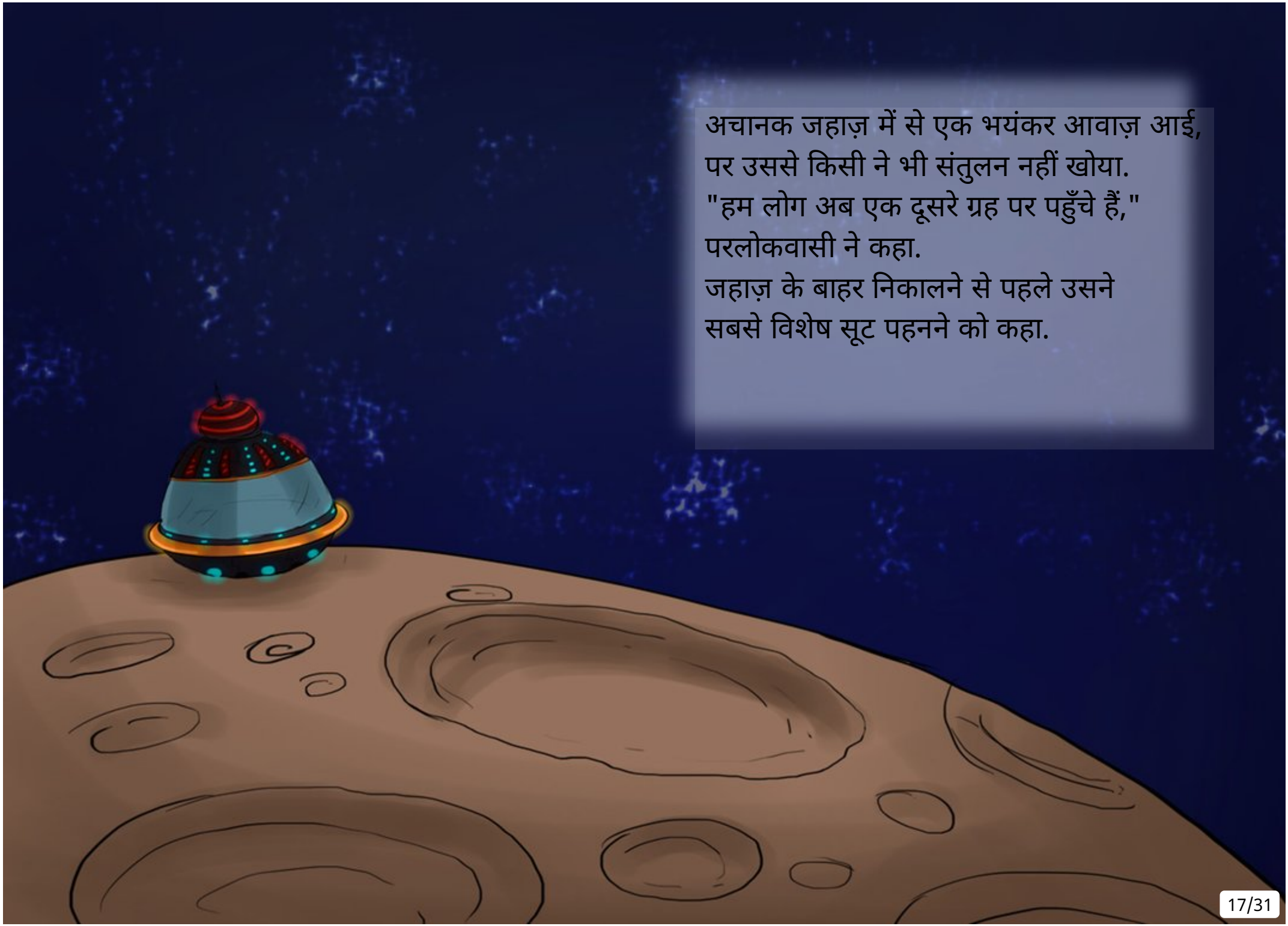
अचानक जहाज़ में से एक भयंकर आवाज़ आई,
पर उससे किसी ने भी संतुलन नहीं खोया.
"हम लोग अब एक दूसरे ग्रह पर पहुँचे हैं,"
परलोकवासी ने कहा.
जहाज़ के बाहर निकालने से पहले उसने
सबसे विशेष सूट पहनने को कहा.
17/31

रिका ने बाहर उत्सुकता से चारों तरफ देखा.
"यह जगह हमारे घर से बहुत अलग है," टीटो ने दुखी होते हुए अपना सिर हिलाया.
"बिल्कुल ठीक! यहाँ पानी, पेड़ कुछ भी नहीं हैं और यहाँ कितनी गर्मी है!"

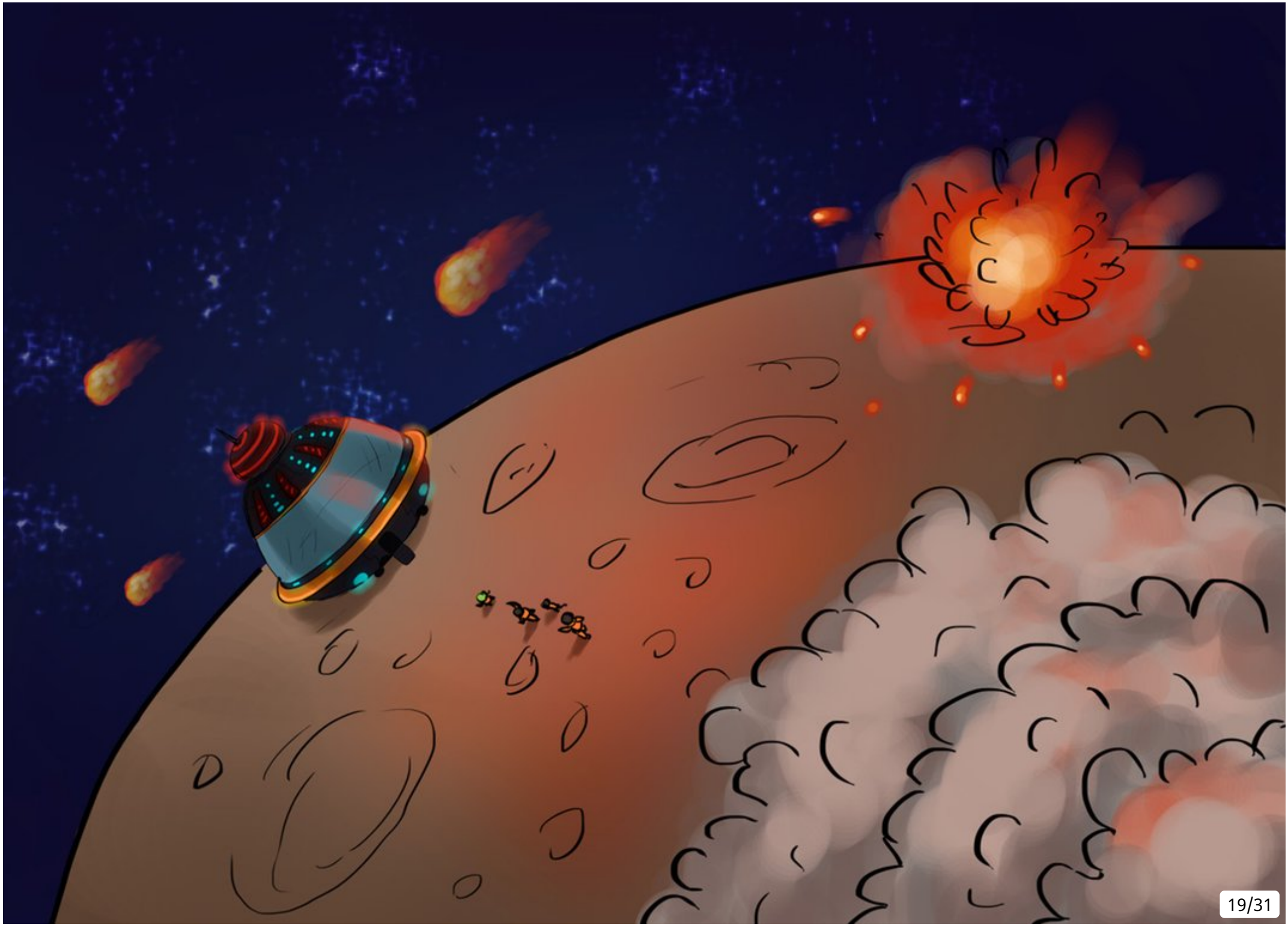

तभी एक विस्फोट हुआ! धूल का एक बवंडर हवा में उड़ा और फिर उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया.
परलोकवासी चिल्लाया, "उल्कापिंड आ रहे हैं! जल्दी से जहाज़ मे घुसो!"
फिर सब लोग घबराहट में जहाज़ की ओर दौड़े.

परलोकवासी न जहाज़ उड़ाया. एक बड़ा उल्कापिंड उनकी ओर आ रहा था. "उसे देखो!" टीटो और रिका एक साथ चिल्लाए.
21/31

उल्कापिंड से बचने के लिए जहाज़ तुरंत मुड़ा, पर जहाज़ बहुत ज़ोर से हिला. उन्हें लाल आग दिखी और अलार्म बजा, "ख़तरा! ख़तरा!"

जहाज़ के अंदर अंधेरा छा गया. परलोकवासी ने कहा,
"जहाज़ के कंट्रोल टूट गए हैं!"
उससे सब लोग डर गए. "हम लोग अब मुसीबत में हैं!"
उन्होने सोचा. "अब हम लोग ज़रूर मरेंगे!"
रिका ने अपने मन में सोचा : "मैं अपने घर जाना चाहती हूँ.
मुझे अपने माता-पिता की बहुत याद आ रही है!
हमें इस समस्या का कोई हल ज़रूर खोजना चाहिए."

रिका ने जुगनू की रोशनी देखी. फिर रिका ने टीटो का फ़ोन छीना जिससे जहाज़ में रोशनी हो.
जुगनू भी कंट्रोल की तरफ उड़ा जिससे वहाँ अधिक प्रकाश हो.
रोशनी की मदद से परलोकवासी ने कंट्रोल चेक किए और उनकी मरम्मत करनी शुरू की.
कुत्ते ने रिका ओर टीटो की मदद की जिससे वे परलोकवासी के औज़ार खोज पाए.

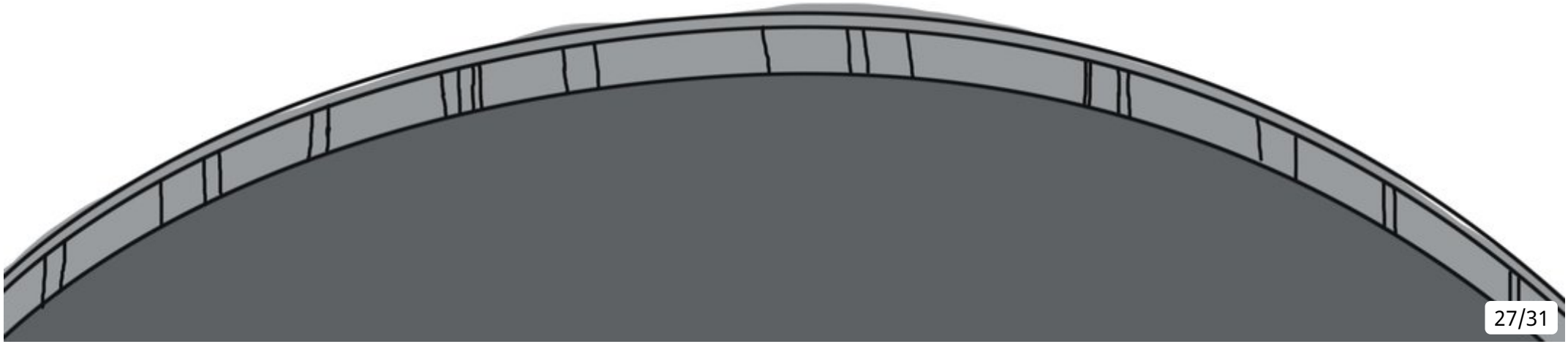

परलोकवासी ने कहा, "जहाज़ का ईंधन ख़त्म हो रहा है, मुझे मदद चाहिए."
टीटो ने तुरंत अपने फोन की बॅटरी निकालकर उसे दी.
"इससे कोशिश करके देखो," टीटो ने कहा.
"जल्दी करो! जल्दी करो! एक और उल्कपिंड आ रहा है!"
परलोकवासी ने फ़ोन की बॅटरी जहाज़ के कंट्रोल मे डाली.

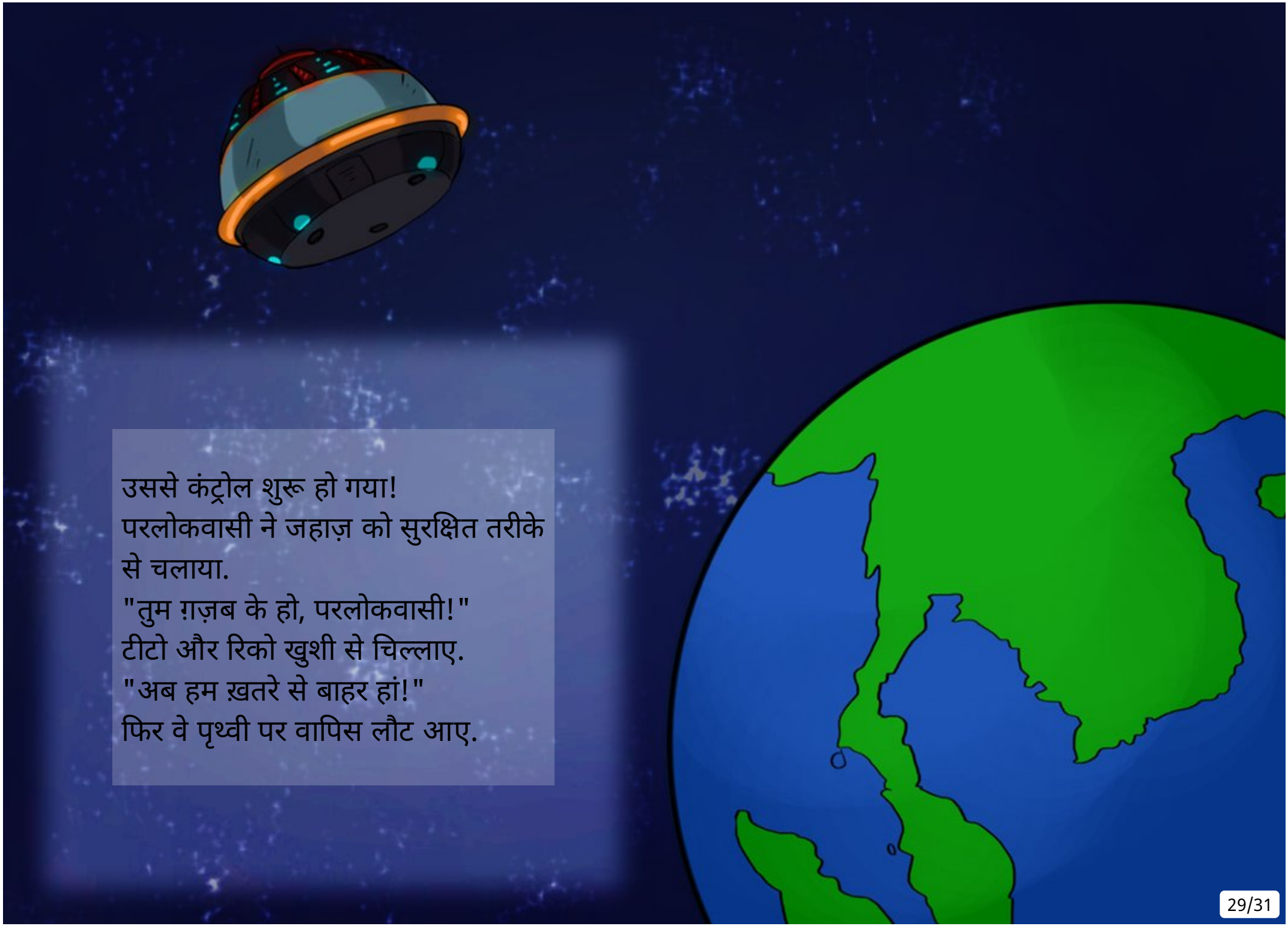
उससे कंट्रोल शुरू हो गया!
परलोकवासी ने जहाज़ को सुरक्षित तरीके से चलाया.
"तुम ग़ज़ब के हो, परलोकवासी!"
टीटो और रिको खुशी से चिल्लाए.
"अब हम ख़तरे से बाहर हां!"
फिर वे पृथ्वी पर वापिस लौट आए.

शहरवासी जहाज़ को वापिस देखकर बहुत खुश हुए और वे जहाज़ के पास आए. टीटो ओर रिका के माता-पिता ने अपने बच्चों को गले लगाया. उनकी आँखों में खुशी के आँसू थे. वे बच्चों को देखकर प्रसन्न-चित हो गये.

परलोकवासी ने सबसे अलविदा कहा.
टीटो ने अपनी जेब से फ़ोन निकालकर अपने माता-पिता को दिया, पर फोन की बॅटरी गायब थी.
टीटो चिल्लाया, "रूको! परलोकवासी! मेरे फ़ोन की बॅटरी वापिस करना मत भूलो."

अगले दिन सुबह जब टीटो पलंग से उठा तो
उसके हाथ मे फ़ोन था.
तभी रिका और कुत्ता भी उसके पास आए.
टीटो ने मुस्कुराते हुए रिका से कहा.
"कल मैने रात को सपने में एक परलोकवासी
को देखा!"
"मैने भी!" रिका चिल्लाई.
फिर उन्होनें अपने फ़ोन में देखा.
फ़ोन में परलोकवासी के साथ
उन दोनों की फोटो थी!

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: अंतरिक्ष यात्रा का रोमांच is translated by Arvind Gupta . The © for this translation lies with Arvind Gupta, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Amazing Adventure', by Kim Ann Arun . © Let's Read , 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Cover page: Group in a spacesuit looking down, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Two kids by a lake, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl takes away boys phone, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Group of kids see a UFO, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl and dog pull boy away from a UFO, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Girl and boy in a UFO, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Dog barking at a curious light, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Kids look down on a village from a UFO, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: UFO flying away from Earth, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Space, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Kids taking photos of planets, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: White space, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Kids see a strange new city on a screen, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Kids see people on a screen, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Kids relaxing on cushoned chairs, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Relaxing kids fed by an alien contracption, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Spaceship on a planet, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Kids, alien and dog on a planet, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Spaceship being attacked, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: Spaceship being attacked sketch, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: Spaship flying past balls of fire, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: Kids in a spaceship alarmed by balls of fire, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 23: Red light, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 24: Kids in a spaceship worried by balls of fire, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 25: White background with a grey border, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 26: Kids in a spaceship discussing balls of fire, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 27: A swarm of fireflies, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 28: Boy hands alien a phone, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 29: Spaceship coming towards Earth, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 30: Group of people waving to a spaceship, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 31: Photo of kids, alien and dog, by Seat Sopheap © The Asia Foundation, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

अंतरिक्ष यात्रा का रोमांच

(Hindi)

टीटो और रिको मोबाइल फ़ोन के लिए लड़ रहे थे. तभी उनसे फ़ोन का एक बटन दब गया. उससे एक यूएफ़ो वहाँ आया. एक परलोकवासी उसमें से बाहर निकला और उसने उन्हें अंदर आने का निमंत्रण दिया. अपने कुत्ते ओर जुगनू के साथ उन्होने अंतरिक्ष की मज़ेदार यात्रा की. पर अगले दिन उन्हें लगा ..... कहीं वो सिर्फ़ एक सपना तो नहीं था?

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!